www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 तमिलनाडु चुनावों के लिए भारतीय जनता...

3 ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके...

4 करनाल चीनी मिल ने 20 दिनों में की 5.80...

वर्ष: 10 | अंक: 54 | दिल्ली, बुधवार, 17 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने इजराइल के उद्योग मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजराइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री नीर बरकत से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र संपन्न होने पर विश्वास व्यक्त किया। जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर इजराइल पहुंचे। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, आज यरुशलम में इजराइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ शानदार मुलाकात हुई। पोस्ट में कहा गया है, निवेश और नवाचार सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र संपन्न होने पर विश्वास व्यक्त किया, जिससे हमारी आर्थिक साझेदारी को और बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले दिन में, जयशंकर ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की। जयशंकर का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भारत की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियां की जा रही हैं।

एक व्यक्ति-एक पद पर टिकी है भाजपा, नितिन नबीन ने बिहार के मंत्री पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद नितिन नबीन ने बिहार सरकार में अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वे सड़क निर्माण और शहरी विकास एवं आवास विभागों का प्रभार संभाल रहे थे। भाजपा के नव-नियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को अपना कार्यभार संभाला। शीर्ष नेताओं का कहना है कि उनके संगठनात्मक कौशल से पार्टी की जनसेवा और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को नई दिशा मिलेगी। नबीन को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। पार्टी के महत्वपूर्ण पद का कार्यभार संभालने पर नबीन को हार्दिक बधाई देते हुए नड्डा ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष भाजपा के जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के सफर को नई दिशा देंगे।

राष्ट्रपति ने आदि जगद्गुरु श्री शिवरात्रीश्वर शिवयोगी महास्वामीजी के 1066वें जयंती समारोह का उद्घाटन किया

हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे युवाओं में निहित उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता, मूल्य और चरित्र है-राष्ट्रपति

संजना भारती/पीआईबी

कर्नाटक। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कर्नाटक के मांड्या जिले के मालवल्ली में आदि जगद्गुरु श्री शिवरात्रिश्वर शिवयोगी महास्वामीजी के 1066वें जयंती समारोह का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि युगों-युगों से संतों ने अपने ज्ञान और करुणा से मानवता को सचेत किया है। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि सच्ची महानता अधिकार या धन में नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और आध्यात्मिक शक्ति में निहित है। ऐसे महानतम संतों में आदि जगद्गुरु श्री शिवरात्रीश्वर शिवयोगी महास्वामीजी प्रकाश और प्रेरणा के प्रतीक के रूप में चमकते हैं।

राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि मठ के मार्गदर्शन और संरक्षण में, जेएसएस महाविद्यालय भारत के उन प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बनकर उभरा है, जो शिक्षा और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि विश्व भर में कई संस्थानों के साथ, यह युवा प्रतिभाओं को निखारने, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने, महिलाओं को सशक्त बनाने, ग्रामीण समुदायों का उत्थान करने, संस्कृति का संरक्षण करने और समावेशी समाज की नींव को मजबूत करने में लगा हुआ है।

राष्ट्रपति ने कहा कि तीव्र परिवर्तन और अनिश्चितता के इस युग में, सामाजिक सद्भाव, नैतिक नेतृत्व, युवा सशक्तिकरण और आंतरिक दृढ़ता को पोषित करने के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शन आवश्यक है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, हमें प्रौद्योगिकी की शक्ति और मूल्यों की दृढ़ता, दोनों की आवश्यकता है। एक विकसित भारत के लिए आधुनिक शिक्षा को नैतिक ज्ञान, नवाचार को पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, आर्थिक विकास को सामाजिक समावेश और प्रगति को करुणा के साथ एकीकृत करना आवश्यक है। भारत सरकार इसी समग्र दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। सुत्तूर मठ जैसे संस्थान इस राष्ट्रीय प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे युवाओं में निहित उनकी ऊर्जा, रचनात्मकता, मूल्य और चरित्र है। भारत का भविष्य न केवल उनके कौशल और ज्ञान से, बल्कि उनकी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प से भी तय होगा। उन्होंने सत्तूर मठ जैसे संस्थानों से आग्रह किया कि वे युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करते रहें, जिम्मेदार नागरिकों को तैयार करें और भविष्य के भारत के निर्माताओं का मार्गदर्शन करें।

दिल्ली को सहकारिता का नेशनल हब बनाएगी दिल्ली सरकार: रविन्द्र इन्द्राज

नए साल से दिल्ली में खुलेंगे को-ऑपरेटिव स्टोर

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली को सहकारिता का नेशनल हब बनाएंगे। यहाँ देश भर के सहकारिता से जुड़े लोगों और उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा और दिल्ली सरकार इनकी मार्केटिंग के लिए भी प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगी। यह बात दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने नाबार्ड की ओर से स्टेट एम्पोरिया काम्प्लेक्स में आयोजित सहकार हाट के शुभारम्भ अवसर पर कही। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता आंदोलन भारत के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की रीढ़ है और दिल्ली सरकार इसे नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि संकल्प एक आन्दोलन बना और देश में सहकारिता क्षेत्र मजबूत हुआ। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सहकारिता से जुड़े लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जब किसान, कारीगर और छोटे उद्यमी सशक्त होंगे, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा।

श्री इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के साथ-साथ एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। दिल्ली से सहकारिता उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग का लाभ पूरे देश के किसानों और सहकारिता से जुड़े लोगों को मिलेगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली की हाउसिंग सोसायटीज में मॉडर्न को-ऑपरेटिव स्टोर खोले जाने की योजना है। आने वाले समय में दिल्ली में कई सहकारिता स्टोर खोले जाएंगे, जहाँ हैंडलूम, हस्तशिल्प, कृषि और ग्रामीण उत्पादों को उचित बाजार मिलेगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म भी विकसित करेगी, जहाँ सहकारिता से जुड़े लोग पंजीकरण कर अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकेंगे। इससे छोटे उद्यमी और वे लोग भी जुड़ पाएंगे, जो अब तक सहकारिता से दूर रहे हैं। श्री इन्द्राज ने बताया कि दिल्ली में 2000 से अधिक सोसायटीज हैं, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों में सोसायटीज और बैंक पूरी तरह उपेक्षा का शिकार रहे हैं। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अब आवश्यक कानूनी संशोधनों पर कार्य किया जा रहा है। बैंकिंग स्ट्रक्चर, क्रेडिट सोसायटी और अन्य सहकारिता संस्थाओं में सुधार के लिए नाबार्ड के साथ लगातार चर्चा चल रही है, ताकि पारदर्शिता और सुविधाएं बढ़ाई जा सके।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकार हाट में देशभर से सहकारिता से जुड़े लोग दिल्ली पहुँचे हैं, जो स्वयं में सहकारिता की शक्ति और व्यापकता को दर्शाता है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए नाबार्ड तथा आयोजक टीम का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह मंच किसानों, कारीगरों और सहकारिता से जुड़े उद्यमियों को प्रोत्साहित करेगा।

डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज का संपूर्ण जीवन रामकाज को समर्पित रहा: योगी आदित्यनाथ

सीएम ने ब्रह्मलीन डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए

संजना भारती संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या स्थित हिंदू धाम आश्रम पहुंचकर वशिष्ठ भवन के ब्रह्मलीन महंत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के वरिष्ठ सदस्य तथा वशिष्ठ भवन, अयोध्या के महंत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज भौतिक रूप से आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संपूर्ण जीवन अयोध्या धाम के विकास और रामलला के भव्य मंदिर निर्माण को समर्पित रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेदांती जी महाराज का पूरा जीवन ही रामकाज को समर्पित था। यह भी एक संयोग है कि प्रभु श्रीराम की पावन कथा का वाचन करते हुए उन्होंने नश्वर देह का त्यागकर साकेतवास किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वेदांती जी महाराज के योगदान को याद करते हुए कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रारंभिक दौर से लेकर उसके मूर्त रूप लेने और आंदोलन के सफल परिणाम को देखने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को श्रीरामजन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पर धर्मध्वजा आरोहण के समारोह में भी वेदांती जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह उनके समर्पण और निरंतर सहभागिता का स्पष्ट प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1983 में श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के आरंभ से लेकर अब तक आयोजित प्रत्येक आंदोलन और कार्यक्रम में वेदांती जी महाराज की सक्रिय भूमिका रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वेदांती जी महाराज को याद करते हुए कहा कि आज भले ही वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके साकेतवासी होने पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके शिष्यों व आश्रमवासियों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए मैं अयोध्या आया हूं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ से वेदांती जी महाराज का अत्यंत निकट और आत्मीय संबंध रहा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1949 में अयोध्या धाम में श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के विग्रह के प्रकटीकरण के समय गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर पूज्य महंत श्री दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा वेदांती जी महाराज के पूज्य गुरु बाबा अभिराम दास जी उस ऐतिहासिक अभियान का हिस्सा थे। मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि वर्ष 1983 में जब श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ और उनके पूज्य गुरुदेव, गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महंत श्री अवेद्यनाथ जी महाराज उस समिति के अध्यक्ष बने, तब से डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज वरिष्ठ सदस्य के रूप में निरंतर इस आंदोलन से जुड़े रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु श्रीराम के पवित्र मंदिर से जुड़े सभी ऐतिहासिक कार्यक्रमों, 5 अगस्त 2020 को मंदिर के शिलान्यास, 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा तथा 25 नवंबर 2025 को धर्मध्वजा आरोहण के वेदांती जी महाराज साक्षी रहे।

योगी आदित्यनाथ ने रामलला के श्रीचरणों में झुकाया शीश, हनुमानगढ़ी में भी लगाई हाजिरी

संजना भारती संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। अयोध्या आगमन पर महापौर, जनप्रतिनिधियों सहित भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री सुबह सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। जहाँ से वह सीधे हनुमानगढ़ी गए और संकटमोचन हनुमान के दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री ने उपस्थित आमजन का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। उन्होंने श्रीरामलला के श्रीचरणों में शीश झुकाकर श्रद्धा व्यक्त की और विधिवत पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर में आध्यात्मिक वातावरण के बीच मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर अयोध्या में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या के समग्र विकास और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलने की बात कही।

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभिषेक श्रीवास्तव को वाराणसी में मिला यूथ आइकन सम्मान

उत्तर प्रदेश के मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने किया सम्मानित

संजना भारती संवाददाता

सीवान। जिले के वरीय अधिवक्ता और पत्रकार अभिषेक श्रीवास्तव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में यूथ आइकन सम्मान से सम्मानित किया गया है। श्री अभिषेक को यह सम्मान उत्तर प्रदेश के स्टांप, न्यायालय शुल्क एवं निबंधन विभाग के मंत्री रविन्द्र जयसवाल ने एक समारोह के दौरान प्रदान किया।

बता दें कि वाराणसी में उत्तर प्रदेश के मैथिली समाज द्वारा दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'महाकवि विद्यापति महोत्सव 2025' का आयोजन किया गया था। जिसमें उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से आए कला एवं रंगमंच के कलाकारों के ने अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने अभिषेक श्रीवास्तव को शॉल, फूलमाला और सिर पर पाग पहनाते हुए उन्हें यूथ आइकन की ट्राफी प्रदान की।

गौरतलब है कि अभिषेक श्रीवास्तव वकालत और पत्रकारिता के अलावें नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय संगठन सचिव हैं, वहीं सीवान जिले में केवल लड़कियों को नृत्य का प्रशिक्षण देने वाली एकलौती संस्था नृत्योदय द परफॉर्मिंग आर्ट्स (नटपा) के प्रबंध निदेशक भी हैं। इस संस्था की प्रशिक्षु नृत्यांगनाओं द्वारा जिले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी जाती है। नटपा अपने उत्कृष्ट कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए जिले के साथ-साथ पूरे राज्य भर में विख्यात है।

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार सुमन, राष्ट्रीय सचिव नीरज कुमार सिंह, राष्ट्रीय संगठन सचिव अभिषेक श्रीवास्तव, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक कुमार सिंह, कार्यकारी सदस्य दीनबंधु सिंह, दिल्ली के अध्यक्ष विजय वर्मा, महासचिव संजय कुमार, वेस्ट बंगाल के अध्यक्ष बिमल गुप्ता, गुजरात के अध्यक्ष हरिलाल शर्मा, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष महेश प्रसाद, बिहार प्रदेश संरक्षक बालदेव प्रसाद सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अबोध ठाकुर, महिला विंग की अध्यक्षा पूजा मिश्रा, वरीय उपाध्यक्ष चन्दन कुमार झा, प्रदेश महासचिव नवीन झा, हरियाणा प्रभारी धर्मेंद्र मिश्रा इत्यादि ने बधाई दी है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब को यू.के. के लिए निवेश हब के रूप में प्रस्तुत किया

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यहां पंजाब-यू.के. रणनीतिक संवाद सत्र की अध्यक्षता करते हुए ब्रिटेन के साथ, विशेष रूप से अब तक कम उपयोग में आए क्षेत्रों में, मजबूत और व्यापक रणनीतिक व व्यावसायिक संबंधों पर बल दिया।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर अल्बा समैरिग्लियो तथा यू.के. से जुड़ी विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पारंपरिक और उभरते हुए नए क्षेत्रों में यू.के. के साथ मजबूत व्यावसायिक साझेदारी के लिए इच्छुक है। उन्होंने बताया कि राज्य ने सहयोग के पांच प्रमुख क्षेत्रों—उच्च शिक्षा, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट्स तथा कृषि और फूड प्रोसेसिंग—के साथ-साथ फार्मास्यूटिकल एवं स्वास्थ्य सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक सेवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों की भी पहचान की है।

भगवंत सिंह मान ने पंजाब की क्षमताओं को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत खाका प्रस्तुत किया और बताया कि राज्य में पांच हवाई अड्डों तथा मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग संपर्कों के साथ विश्वस्तरीय और सुदृढ़ कनेक्टिविटी नेटवर्क उपलब्ध है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के पास अत्यधिक कुशल कार्यबल है, जो हर क्षेत्र के विकास की कुंजी है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब तुलनात्मक रूप से किफायती और शांतिपूर्ण श्रमबल उपलब्ध कराता है, जो इसे निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाता है। उन्होंने बताया कि राज्य में एकीकृत निवेश प्रणाली मौजूद है और इन्वेस्ट पंजाब सिंगल-विंडो सिस्टम के रूप में कार्य करता है, जो डीम्ड अप्रूवल तंत्र के साथ निर्धारित समय-सीमा में सभी आवश्यक मंजूरियां प्रदान करता है, जिससे निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है। मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक पोर्टल और सिंगल-विंडो सुविधा पर भी प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनुपालनों के बोझ को कम करना और पंजाब में व्यापार को अधिक सुगम बनाना है।

भविष्य के अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक प्रगति को तेज करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। उन्होंने यू.के. से मजबूत संबंध रखने वाली विभिन्न कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया, जिनमें से कई ने पंजाब के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया। मुख्यमंत्री ने यू.के. के निवेशकों को पंजाब में अपने कारोबार शुरू करने या विस्तार करने का हार्दिक आमंत्रण दिया और कहा कि मजबूत आधारभूत ढांचा, निर्बाध बिजली आपूर्ति और निवेशक-अनुकूल नीतियां पंजाब को एक आदर्श निवेश गंतव्य बनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने यू.के. के निवेशकों को मोहाली में आयोजित होने वाले पंजाब प्रगतिशील निवेशक सम्मेलन (पी पी आई एस), 2026 में भाग लेने का आमंत्रण देते हुए इस दौरान एक विशेष यू.के.-केंद्रित सत्र का प्रस्ताव रखा।

बच्चों को ठंड से बचाव के लिए वितरण किया गया गर्म कपड़ा

संजना भारती संवाददाता

डुमराँव। बढ़ते ठंड (ठंड का मौसम) प्रकृति में शांति और सुकून लाता है, जहाँ ठंडी हवाएँ, कोहरा और गर्म कपड़ों की जरूरत होती है, ऐसे में डुमरांव के स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय का नाम मददगार के रूप में एक फिर से बड़ा चेहरा के रूप में उभरकर सामने आया है, उन्होंने ठंड से बचाव हेतु जरूरतमंदो लोगों को कंबल वितरण करने के साथ ही अब अनाथ व बेसहारा बच्चो को भी गर्म कपड़ा वितरण किया उन्होंने कुल 45 बच्चों को गर्म कपड़े दिया। गर्म कपड़े पाकर बच्चे के चेहरे खुशी से खिल उठें।

मौके पर अजय ने बताया की इस नेक कार्य में समाज के सभी वर्गों का भरपूर सहयोग मिला है जिससे की यह कार्य सम्भवन हो सकता। बच्चों के बीच गर्म कपड़ा वितरण का कार्य आगे भी जारी रहेगा। युवा समाजसेवी सह स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर अजय राय का नाम मददगार के रूप में एक फिर से बड़ा चेहरा के रूप में उभरकर सामने आया है, उन्होंने ठंड से बचाव हेतु जरूरतमंदो लोगों को कंबल वितरण करने के साथ ही अब अनाथ व बेसहारा बच्चो को गर्म कपड़े का भी वितरण किया उन्होंने कुल 40 बच्चों को गर्म कपड़े दिया। गर्म कपड़े पाकर बच्चे के चेहरे खुशी से खिल उठें। अजय ने बताया की इस नेक कार्य में समाज के सभी वर्गों का भरपूर सहयोग मिला है तब जाकर यह ऐसा करना सम्भवन हो सका है साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए अपने आस-पास के जरूरतमंदो को यथासम्भव मदद आवश्यक करने की बातें कही। अजय ने बताया की बच्चों के बीच गर्म कपड़ा वितरण का कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय के प्राधानाध्यापक विनय कुमार, शिक्षक महताब आलम, युवा समाज सेवी राहुल सूर्यवंशी, अभिषेक रंजन, शुभम राय मुख्य रूप से मौजूद रहें।

सम्पादकीय

भारत की विदेश नीति

युद्ध के धुएँ और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत की विदेश नीति अगर किसी एक शब्द में परिभाषित होती है, तो वह है रणनीतिक स्पष्टता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की यात्रा इसी स्पष्टता का ठोस प्रदर्शन है। यह यात्रा बदलती वैश्विक ध्रुवीयता में भारत के हितों को सुरक्षित करने की एक सधी हुई चाल है। यह एक ऐसा रणनीतिक कदम है जो आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा, खाद्य, समुद्री और भू-राजनीतिक सुरक्षा की रीढ़ बनेगा। देखा जाये तो पश्चिम एशिया इस समय उबाल पर है। गाजा संकट, ईरान-सऊदी समीकरणों में उतार-चढ़ाव, अमेरिका की प्राथमिकताओं में बदलाव और सऊदी अरब-पाकिस्तान और अमेरिका के नए रक्षा समीकरण का उभरना भारी उथलपुथल की तरह है। ऐसे में भारत का जॉर्डन और ओमान की ओर बढ़ना बताता है कि नई दिल्ली अब प्रतिक्रियावादी नहीं, बल्कि एजेंडा-सेटर है। मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत किसी एक धुरी पर निर्भर नहीं रहेगा, वह अपने विकल्प खुद गढ़ेगा। मोदी के तीन देशों के दौरे में जॉर्डन पहला पड़ाव था और यह चयन ही बहुत कुछ कह देता है। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जॉर्डन एक संतुलनकारी शक्ति है। वह कट्टरपंथ के विरुद्ध ढाल और संवाद का सेतु है। भारत के लिए जॉर्डन केवल कूटनीतिक मित्र नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा का रणनीतिक स्तंभ भी है। फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरकों के बिना भारत की कृषि का आगे बढ़ना मुश्किल है। जॉर्डन इंडिया फर्टिलाइजर कंपनी जैसे उपक्रम इस बात का प्रमाण हैं कि मोदी सरकार संसाधन सुरक्षा को भाषण नहीं, संस्थागत रणनीति मानती है। दोनों देशों के बीच $2.75 अरब का द्विपक्षीय व्यापार और 2030 तक $5 अरब का लक्ष्य दिखाता है कि यह साझेदारी अब प्रतीकात्मक नहीं रही। मोदी की जॉर्डन यात्रा के दौरान हुए करार और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को वहां की सरकार का मिला जोरदार समर्थन तथा क्राउन प्रिंस का खुद मोदी को अपनी कार में लेकर जाना दशार्ता है कि मोदी की यात्रा कितनी सफल रही। वहीं मोदी की इथियोपिया यात्रा को देखें तो यह रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत निर्णायक है। अफ्रीकी संघ का मुख्यालय, ब्रिक्स का सदस्य और ग्लोबल साउथ की धड़कन, इथियोपिया में 2011 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। देखा जाये तो यह देरी नहीं, बल्कि सही समय पर किया गया दांव है। दोनों देशों के बीच $550 मिलियन का व्यापार, भारतीय फार्मा की मजबूत मौजूदगी और क्षमता निर्माण में भारत की भूमिका दिखाती है कि नई दिल्ली अफ्रीका को बड़ा साझेदार मानती है। यह चीन के ऋण-जाल मॉडल के ठीक उलट सम्मान, प्रशिक्षण और साझा विकास का रास्ता है। साथ ही मोदी की ओमान यात्रा भारत की समुद्री रणनीति का निर्णायक स्तंभ है। दुक़्म बंदरगाह में भारत की बढ़ती मौजूदगी, होरमुज जलडमरूमध्य से बाहर एक वैकल्पिक लॉजिस्टिक हब, यह सब भारत की इंडो-लिटरल स्ट्रैटेजी का हिस्सा है। भारत-ओमान CEPA का प्रस्तावित हस्ताक्षर इस यात्रा का सबसे ठोस आर्थिक परिणाम होगा। देखा जाये तो 95% टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुँच और 98% तक भारतीय वस्तुओं को राहत, एक रणनीतिक व्यापार की तरह है। ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उर्वरक, तकनीक और खाद्य सुरक्षा, हर मोर्चे पर भारत अपनी शर्तों पर आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच $10.61 अरब का व्यापार जल्द ही $20 अरब की ओर बढ़े, यह केवल आंकड़ा नहीं, भरोसे की मुद्रा है। हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी यात्रा की बेहद शक्तिशाली धुरी हैं भारतीय प्रवासी। ओमान में 6.75 लाख से अधिक भारतीय, जॉर्डन में परिधान उद्योग की रीढ़ बने 17 हजार श्रमिक और इथियोपिया में शिक्षा जगत को दिशा देने वाले भारतीय प्रोफेसर, ये लोग भारत की सॉफ्ट पावर नहीं, बल्कि लिविंग स्ट्रैटेजिक एसेट्स हैं। मोदी सरकार ने पहली बार प्रवासियों को भावनात्मक प्रतीक से निकालकर नीति के केंद्र में रखा है, चाहे वह बिजनेस कार्ड वीजा हो या श्रम सुरक्षा के समझौते। बहरहाल, आलोचक कह सकते हैं कि यह यात्रा चुनौतियों से मुक्त नहीं है क्योंकि पश्चिम एशिया की अस्थिरता, अफ्रीका में प्रतिस्पर्धा और वैश्विक आर्थिक सुस्ती बनी हुई है। लेकिन यहीं मोदी सरकार की विदेश नीति अलग दिखती है। यह जोखिम से भागती नहीं, उसे मैनेज करती है। मोदी सरकार जानती है कि बहुध्रुवीय विश्व में निष्क्रियता सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए निष्कर्ष स्पष्ट है। मोदी की यह यात्रा भारत के आत्मविश्वास का बयान है कि भारत अब केवल संतुलन साधने वाला देश नहीं, बल्कि अपने हितों के लिए गठबंधन गढ़ने वाला राष्ट्र है। मोदी की यह पश्चिम एशिया-अफ्रीका कूटनीति लेन-देन से आगे जाकर रणनीतिक हेजिंग की परिपक्व मिसाल है। आने वाले वर्षों में जब ऊर्जा, खाद्य और समुद्री मार्गों पर संघर्ष तेज होगा, तब यह यात्रा एक दूरदर्शी कदम के रूप में याद की जाएगी, जिसने भारत को न केवल सुरक्षित किया, बल्कि निर्णायक भी बनाया।

जयंती

मुहम्मद हिदायतुल्लाह

जन्म: 17 दिसम्बर 1905; मृत्यु: 18 सितम्बर 1992, भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह को भारत के प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति कहना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं थे। उन्होंने दो अवसरों पर भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी कार्यभार संभाला था। इसके साथ ही वो एक पूरे कार्यकाल के लिए भारत के छठे उपराष्ट्रपति भी रहे।

पुण्यतिथि

श्रीराम लागू

जन्म-16 नवंबर, 1927; मृत्यु-17 दिसंबर, 2019, भारतीय सिनेमा और रंगमंच के दिग्गज कलाकार थे। उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा मराठी सिनेमा में भी काम किया। श्रीराम लागू ने अपने फिल्मी करियर में 100 से ज्यादा हिंदी और 40 से ज्यादा मराठी फिल्मों में काम किया। सिनेमा के अलावा मराठी, हिंदी और गुजराती रंगमंच से जुड़े रहे श्रीराम लागू ने 20 से अधिक मराठी नाटकों का निर्देशन भी किया।

कल मिलेंगे

लड़का-जान, तुम्हारा नाम हाथ पर लिखूं या दिल पर?
लड़की-इधर-उधर कहां लिखते हो सच्चा प्यार है तो प्रॉपर्टी के पेपर्स पर लिखो सीधी बात, नो बकवास।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

तमिलनाडु चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने बिछाई गजब की चौसर

असम में बैजयंत पांडा की भूमिका भाजपा की उस रणनीति का उदाहरण है, जिसमें चुनावी प्रबंधन को एक पेशेवर कौशल के रूप में देखा जाता है। हम आपको याद दिला दें कि पांडा ने पहले भी साबित किया है कि वह संगठन, सरकार और सहयोगी दलों के बीच समन्वय स्थापित करने में सक्षम हैं। यह मॉडल अब तमिलनाडु में भी लागू किया जा रहा है

-नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि भाजपा का अगला लक्ष्य तमिलनाडु है। इसके बाद पार्टी ने राज्य में संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में भाजपा ने वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को एक बार फिर तमिलनाडु का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी बनाया गया है। यह नियुक्तियाँ इस बात का संकेत हैं कि भाजपा राज्य में आगामी चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही है।

हम आपको याद दिला दें कि पीयूष गोयल पहले भी 2019 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु के प्रभारी रह चुके हैं और उस समय उन्होंने भाजपा तथा अन्नाद्रमुक के बीच गठबंधन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। अन्नाद्रमुक के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को एक सख़्त और कुशल वातार्कार माना जाता है और ऐसे में गोयल का अनुभव भाजपा के लिए उपयोगी माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, गोयल सीट बंटवारे के साथ-साथ गठबंधन से जुड़े अन्य संवेदनशील मुद्दों पर भी ईपीएस से बातचीत करेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा इस समय अन्नाद्रमुक पर यह दबाव बना रही है कि वह ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) और टी.टी.वी. दिनाकरन जैसे विद्रोही नेताओं को कम से कम एनडीए के सहयोगी के रूप में स्वीकार करे। ईपीएस इन नेताओं को दोबारा अन्नाद्रमुक में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन भाजपा का मानना है कि इन्हें एनडीए से बाहर रखना मुकुलथोर समुदाय के मतदाताओं को दूर कर सकता है, जिसका नुकसान सीधे-सीधे भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन को होगा।

सूत्रों के मुताबिक, ओपीएस ने हाल की बैठकों में भाजपा नेतृत्व को यह भरोसा दिलाया है कि वह फरवरी तक किसी अन्य राजनीतिक विकल्प की ओर नहीं जाएंगे। वहीं टीटीवी दिनाकरन का रुख अधिक आक्रामक माना जा रहा है, क्योंकि वह ईपीएस के नेतृत्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। भाजपा नेतृत्व आने वाले हफ्तों में दिनाकरन से भी संपर्क साधने की योजना बना रहा है, ताकि मुकुलथोर वोटों का विभाजन रोका जा सके।

भाजपा ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में पहले की तुलना में अधिक सीटों की मांग करेगी। पार्टी का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे लगभग 11 प्रतिशत वोट शेयर मिला था और पूरे एनडीए को करीब 18 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। ऐसे में भाजपा 2021 की तरह 20 सीटों पर संतोष नहीं करेगी। पार्टी ने लगभग 50 सीटें अपने लिए और 15 सीटें मैत्रीपूर्ण सहयोगियों के लिए चिन्हित की हैं, जिन पर कमल के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार उतारे जा सकते हैं।

इसी बीच, भाजपा ने असम के लिए भी संगठनात्मक नियुक्तियाँ की हैं। वरिष्ठ नेता बैजयंत पांडा को असम का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। पांडा इससे पहले 2021 के असम विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता में वापस लाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। यह नियुक्तियाँ यह दशार्ती हैं कि भाजपा चुनावी प्रबंधन में अनुभवी और भरोसेमंद नेताओं पर दांव लगा रही है।

देखा जाये तो तमिलनाडु लंबे समय से भाजपा के लिए एक कठिन राजनीतिक मैदान रहा है। द्रविड़ राजनीति की गहरी जड़ें, भाषा और सांस्कृतिक पहचान का सवाल तथा डीएमके-अन्नाद्रमुक की पारंपरिक पकड़, इन सबके बीच भाजपा को अब तक सीमित सफलता ही मिली है। लेकिन हालिया घटनाक्रम यह संकेत देता है कि भाजपा इस बार केवल सहयोगी की भूमिकाह्व में नहीं रहना चाहती, बल्कि राज्य की राजनीति में निर्णायक हस्तक्षेप करने की रणनीति पर काम कर रही है।

पीयूष गोयल की पुनर्नियुक्ति महज सामान्य राजनीतिक फैसला नहीं है, बल्कि यह भाजपा की रणनीतिक सोच को दशार्ता है। पीयूष गोयल न केवल एक अनुभवी मंत्री हैं, बल्कि जटिल गठबंधनों को संभालने में भी माहिर माने जाते हैं। उनकी शांत लेकिन दृढ़ कार्यशैली ईपीएस जैसे नेताओं से बातचीत में संतुलन बना सकती है। वहीं अर्जुन मेघवाल का संगठनात्मक अनुभव और संसदीय समझ तथा मुरलीधर मोहोल की युवा ऊर्जा और जमीनी संपर्क क्षमता इस टीम को और मजबूत बनाती है।

वहीं असम में बैजयंत पांडा की भूमिका भाजपा की उस रणनीति का उदाहरण है, जिसमें चुनावी प्रबंधन को एक पेशेवर कौशल के रूप में देखा जाता है। हम आपको याद दिला दें कि पांडा ने पहले भी साबित किया है कि वह संगठन, सरकार और सहयोगी दलों के बीच समन्वय स्थापित करने में सक्षम हैं। यह मॉडल अब तमिलनाडु में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह खुद को केवल अन्नाद्रमुक की जूनियर पार्टनर छवि से बाहर निकाले। अधिक सीटों की मांग और अलग पहचान बनाने की कोशिश इसी दिशा में उठाया गया कदम है। यदि भाजपा ओपीएस और टीटीवी जैसे नेताओं को एनडीए में बनाए रखने में सफल होती है, तो यह न केवल सामाजिक संतुलन को साधेगा बल्कि डीएमके के खिलाफ एक व्यापक मोर्चा भी तैयार करेगा।

बहरहाल, भविष्य की राजनीति के लिहाज से देखें तो भाजपा तमिलनाडु में धीरे-धीरे एक वैकल्पिक ध्रुव बनाना चाहती है। संगठनात्मक विस्तार, नेतृत्व में विविधता और राष्ट्रीय स्तर की जीतों, जैसे बिहार में एनडीए की हालिया सफलता, का हवाला देकर पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं रही। यदि यह रणनीति जमीन पर असर दिखाती है, तो आने वाले वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर सकती है, जहां भाजपा केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक खिलाड़ी होगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाजपा में कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति के निहितार्थ

लोकसभा चुनाव के बाद चार राज्यों-महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव भाजपा ने जीते। ऐसा नहीं है कि इन चुनावों में संघ ने भाजपा की मदद नहीं की, लेकिन भाजपा की जीत में संघ से ज्यादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की वह हिकमत अमली प्रभावी रही, जिसमें चुनाव आयोग, प्रशासन तंत्र, मीडिया और कुछ हद तक न्यायपालिका की भूमिका का भी शुमार रहा

-अनिल जैन

भारतीय जनता पार्टी में कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर बिहार के एक नेता नितिन नवीन की जिस तरह से नियुक्ति हुई है, उससे पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश जेपी नड्डा की यह बात एक बार फिर सच साबित हुई है कि 'भाजपा अब हर मामले' में सक्षम और आत्मनिर्भर हो चुकी है और उसे अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मदद या उसके मार्गदर्शन की जरूरत नहीं रह गयी है।' जेपी नड्डा ने यह बात पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान साल 20 मई, 2024 को 'इंडियन एक्सप्रेस' को दिए इंटरव्यू में कही थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में संघ हमेशा की तरह भाजपा के लिए सक्रिय था, फिर भी भाजपा की '400 पार' की हसरत पूरी नहीं हो सकी थी। वह बहुमत से दूर रही थी और उसे सरकार बनाने के लिए करीब डेढ दर्जन छोटे-बड़े क्षेत्रीय दलों का सहारा लेना पड़ा।

लोकसभा चुनाव के बाद चार राज्यों- महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनाव भाजपा ने जीते। ऐसा नहीं है कि इन चुनावों में संघ ने भाजपा की मदद नहीं की, लेकिन भाजपा की जीत में संघ से ज्यादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की वह हिकमत अमली प्रभावी रही, जिसमें चुनाव आयोग, प्रशासन तंत्र, मीडिया और कुछ हद तक न्यायपालिका की भूमिका का भी शुमार रहा। इन चार राज्यों में मिली जीत से जेपी नड्डा की बात सही साबित हुई।

सब जानते हैं कि नड्डा पार्टी अध्यक्ष जरूर हैं लेकिन सर्वशक्तिमान अध्यक्ष नहीं। पार्टी अध्यक्ष की हैसियत से वे वही कहते और करते हैं, जैसा उन्हें निर्देशित किया जाता है। इसलिए यह आसानी से समझा जा सकता है कि 'अब संघ की जरूरत नहीं है और भाजपा आत्मनिर्भर हो चुकी है'- जैसी इतनी बड़ी बात उन्होंने किसके इशारे पर कही होगी। दरअसल भाजपा के 45 साल के इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के बाद सिर्फ अमित शाह ही ऐसे अध्यक्ष हुए हैं जिन्हें सर्वशक्तिमान कहा जा सकता है। उनके अलावा अध्यक्ष रहे मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, जना कृष्णमूर्ति, बंगारू लक्ष्मण, वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी में से कोई वाजपेयी-आडवाणी का तो कोई संघ का रबर स्टैंप ही रहा। हालांकि वाजपेयी और आडवाणी के फैसलों पर भी संघ की कम-ज्यादा छाप हुआ करती थी। संघ की छाप कुछ समय अमित शाह के फैसलों पर भी रही लेकिन वह धीरे-धीरे खत्म होती गई। पांच साल तक पार्टी अध्यक्ष रहने के बाद जब अमित शाह केंद्र सरकार में गृह मंत्री बने तो उनकी जगह जेपी नड्डा अध्यक्ष बनाए गए, जो अभी बने हुए हैं।

वैसे जेपी नड्डा का कार्यकाल लगभग दो साल पहले खत्म हो चुका है। वे केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं लेकिन उनकी जगह नया अध्यक्ष इसलिए नहीं बनाया जा सका है क्योंकि संघ और मोदी-शाह के बीच नए अध्यक्ष को लेकर किसी नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। मोदी-शाह अध्यक्ष पद पर ऐसे व्यक्ति को बैठाना चाहते हैं जो नड्डा की तरह उनका फरमानबरदार रहे, जबकि संघ चाहता है कि नया अध्यक्ष मोदी की छाया से मुक्त होकर उसके निर्देशन में काम करे।

बहरहाल इसी खींचतान के चलते बिहार के युवा नेता नितिन नवीन को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। यह फैसला शुद्ध रूप से मोदी-शाह का है, जिसे पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति में संसदीय बोर्ड का फैसला बताया है। यह फैसला लेने के लिए संसदीय बोर्ड की बैठक कब और कहां हुई, इसका कोई जिक्र उनकी प्रेस विज्ञप्ति में नहीं है। इस बारे में भाजपा के नेताओं या प्रवक्ताओं से भी कोई सवाल नहीं कर रहा है। टीवी चैनलों पर नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन का अनर्गल गुणगान हो रहा है। जिस व्यक्ति की बिहार में ही कोई ठीक-ठाक राजनीतिक पहचान नहीं है, उसे कुशल संगठक और ऊजार्वान नेता बताया जा रहा है। पहले कभी किसी ने नहीं कहा लेकिन अब कहा जा रहा है कि बतौर प्रभारी नितिन नवीन ने छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। सवाल यह भी है कि अगर नितिन नवीन इतने ही प्रभावशाली नेता हैं तो उन्हें इससे पहले बिहार में ही भाजपा का अध्यक्ष क्यों नहीं बना दिया गया? बिहार सरकार में भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री हैं लेकिन नितिन नवीन को उप मुख्यमंत्री बनाने लायक भी क्यों नहीं समझा गया?

टीवी चैनलों पर नितिन नवीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने को 'मोदी-शाह का मास्टर स्ट्रोक' बताते हुए कहा जा रहा है कि इससे पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा को बड़ा फायदा हो सकता है, क्योंकि नितिन नवीन कायस्थ समुदाय से आते हैं और बंगाल के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में इस समुदाय का काफी प्रभाव है। यह समुदाय बंगाल की राजनीति में पहले बहुत लंबे समय तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का समर्थक रहा और पिछले डेढ़ दशक से मोटे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के साथ है। कहा जा रहा है कि नितिन नवीन बंगाल के कायस्थ समुदाय को भाजपा की ओर आकर्षित कर सकते हैं। हालांकि हकीकत यह है कि बंगाल के कायस्थों का उत्तर भारत के कायस्थों से सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर कोई मेल नहीं है। बहरहाल गौरतलब यह भी है कि भाजपा के संविधान में कार्यकारी अध्यक्ष पद का कोई प्रावधान नहीं है। अलबत्ता पार्टी में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अंतरिम व्यवस्था के तौर पर कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की परंपरा है, जिसके मुताबिक खुद जेपी नड्डा भी 2019 में कार्यवाहक अध्यक्ष बनाए गए थे और बाद में उन्हें पूर्णकालिक अध्यक्ष घोषित कर दिया गया था। नड्डा से पहले एक बार 2001 में महज 10 दिन के लिए जना कृष्णमूर्ति कार्यवाहक बनाए गए थे। उस समय तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण एक स्टिंग ऑपरेशन में रिश्वत लेते पकड़े गए थे, जिसकी वजह से उन्हें हटा दिया गया था और उनके स्थान पर कृष्णमूर्ति को पहले कार्यवाहक अध्यक्ष और बाद में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। इस समय तो ऐसी कोई स्थिति नहीं है। जेपी नड्डा अध्यक्ष बने हुए हैं, फिर भी उनके साथ एक कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया है। जाहिर है कि मोदी-शाह ने इस फैसले के जरिए न सिर्फ संघ को उसकी हैसियत बताई है, बल्कि मीडिया में अपने को भाजपा की राजनीति का जानकार समझने वाले उन लोगों को भी हास्यास्पद बना दिया है जो पिछले कई महीनों भाजपा अध्यक्ष पद के लिए दर्जन भर से ज्यादा नामों को दावेदार बता रहे थे।

मोदी-शाह ने इससे पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में मुख्यमंत्री चुनने के मामले में भी ऐसा ही किया था। उन्होंने इन प्रदेशों में संघ की पसंद को दरकिनार करते हुए अपनी पसंद के मुख्यमंत्री बनाए। यह सही है कि इन चारों राज्यों में जिन लोगों को मुख्यमंत्री बनाया गया है, उन सभी का संघ से जुड़ाव है लेकिन मुख्यमंत्री पद के लिए वे संघ नेतृत्व की पसंद कतई नहीं हैं। दरअसल नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने अपनी हनक और मीडिया प्रबंधन के जरिये अपने कद को पार्टी से भी बड़ा बना लिया है। अब उन्हें पार्टी की आवश्यकता नहीं है बल्कि वे पार्टी की जरूरत बन गए हैं। अलबत्ता वे सरकार के स्तर पर संघ के एजेंडा के मुताबिक काम करने में कोई कोताही नहीं करते हैं। संघ को जहां जरूरत होती है, वहां सरकारी संसाधनों से भरपूर मदद भी मुहैया कराई जाती है, मगर सत्ता और संगठन में संघ की दखलंदाजी से उन्हें गुरेज है। नरेन्द्र मोदी अपने को पार्टी और संघ से किस तरह ऊपर मानते हैं, इसका अंदाजा 2024 में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उनके उस दुस्साहस से भी लगाया जा सकता है, जब उन्होंने भाजपा संसदीय दल में अपने को नेता चुनवाने की औपचारिकता पूरी किए बगैर ही एनडीए के संसदीय दल की बैठक बुलाकर उसमें अपने को एनडीए संसदीय दल का नेता निर्वाचित करा लिया था। कुल मिलाकर चूंकि सत्ता व्यवस्था के हर अंग पर मोदी-शाह का लगभग पूरी तरह नियंत्रण होना उनके चुनाव जीतने की गारंटी बन चुका है, इसलिए संघ की राजी-नाराजी उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखती। वे अब संघ की वैसी ही अनदेखी करते हैं, जैसी सत्ता-संचालन में संविधान की करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता तेज: अमेरिका ने सुरक्षा गारंटी पर जताई सहमति, यूरोपीय देशों का भी समर्थन

(एजेंसी)।

लगभग चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में अब एक अहम मोड़ आता दिख रहा है। बता दें कि अमेरिका ने शांति समझौते के तहत यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर सैद्धांतिक सहमति जता दी है, हालांकि इन गारंटियों का विस्तृत स्वरूप अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह जानकारी बर्लिन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ हुई ताजा बातचीत के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने दी है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इन वाताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जैरेड कुशनर शामिल रहे। बातचीत के दौरान यूक्रेन की उस मांग पर काफी हद तक सहमति बनी है, जिसमें उसने भविष्य की सुरक्षा के लिए ठोस और भरोसेमंद गारंटी की जरूरत बताई थी। साथ ही, रूस की ओर से डोनबास क्षेत्र को लेकर रखी गई शर्तों पर भी मतभेद कुछ हद तक कम हुए हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप खुद भी सोमवार शाम को वातार्कारों और यूरोपीय नेताओं के साथ एक डिनर चर्चा में वीडियो कॉल के जरिए शामिल हुए। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस सप्ताहांत अमेरिका में, संभवतः मियामी में, बातचीत का अगला दौर हो सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि शांति समझौते को लेकर अब तक की सबसे ज्यादा प्रगति हुई है और यूरोपीय देशों का भी इसमें मजबूत समर्थन मिल रहा है।

अमेरिकी पक्ष ने साफ किया है कि यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा गारंटी अनिश्चित काल तक खुली पेशकश नहीं रहेगी। यह प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट की मंजूरी के लिए रखा जाएगा, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इसे औपचारिक संधि के रूप में दो-तिहाई बहुमत से पारित कराया जाएगा या नहीं।

इधर, बर्लिन में जारी एक संयुक्त बयान में यूरोपीय नेताओं ने कहा है कि यूरोप और अमेरिका मिलकर यूक्रेन के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाने को तैयार हैं। इसमें यूरोप की अगुवाई में एक बहुराष्ट्रीय बल शामिल हो सकता है, जिसे अमेरिका का समर्थन मिलेगा। इस बल की भूमिका यूक्रेन के भीतर संचालन, उसकी सैन्य क्षमताओं के पुनर्निर्माण, हवाई सुरक्षा और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने तक फैली होगी।

बताया गया है कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत यूक्रेनी सेना की शांति काल की संख्या करीब आठ लाख रखी जा सकती है। अमेरिकी वातार्कारों के साथ नाटो के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल एलेक्सस ग्रिंकविच भी मौजूद रहे, जिन्होंने तथाकथित आर्टिकल-5 जैसी सुरक्षा व्यवस्था के पहलुओं पर चर्चा की है।

यूक्रेन के लिए युद्ध के बाद की सुरक्षा सबसे बड़ा सवाल बनी हुई है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज.ने इसे अमेरिका और यूरोप के बीच एक अभूतपूर्व और ठोस सहमति बताया है। वहीं, राष्ट्रपति जेलेंस्की लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि किसी भी सुरक्षा आश्वासन को कानूनी रूप से बाध्यकारी होना चाहिए और अमेरिकी संसद का समर्थन जरूरी है।

दूसरी ओर, रूस नाटो देशों की सेनाओं की यूक्रेन में तैनाती के सख्त खिलाफ है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि शांति योजना के लगभग 90 प्रतिशत बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है और रूस ने यूक्रेन के यूरोपीय संघ में शामिल होने को लेकर भी नरम रुख दिखाया है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन की नाटो सदस्यता को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बताते रहे हैं और इसी को 2022 में युद्ध शुरू करने का कारण भी ठहराया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि शांति वार्ता की समय-सीमा तय करना मुश्किल है, लेकिन रूस गंभीर और ठोस समाधान के लिए तैयार है और समय खींचने की किसी रणनीति में दिलचस्पी नहीं रखता है।

कुल मिलाकर, बर्लिन में हुई यह बातचीत संकेत देती है कि लंबे समय से अटके यूक्रेन संकट के समाधान की दिशा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ठोस प्रयास आकार ले रहा है, हालांकि अंतिम समझौते तक पहुंचने से पहले कई संवेदनशील मुद्दों पर सहमति बनना अभी बाकी हैं।

1971 के मुक्ति युद्ध में पाकिस्तान पर विजय का जश्न, बांग्लादेश ने मनाई जीत की 54वीं वर्षगांठ

(एजेन्सी)।

बांग्लादेश ने मंगलवार को भारत के समर्थन से पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति युद्ध में अपनी जीत की 54वीं वर्षगांठ मनाई। इस विशेष अवसर पर 54 पैराट्रूपर्स पैराशूट से जमीन पर उतरे। 16 दिसंबर को भारत में विजय दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जो 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ नौ महीने तक चले युद्ध की समाप्ति का प्रतीक है। इस युद्ध में भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी ने विजय प्राप्त की, जिसके परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान को मुक्ति मिली और बांग्लादेश का जन्म हुआ। विजय दिवस पूरे बांग्लादेश में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जा रहा है।

मुक्ति युद्ध के शहीदों को सुबह से ही श्रद्धांजलि दी जा रही है और समाज के सभी वर्गों के लोगों ने ढाका के पास सावर स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की है। विजय दिवस का आधिकारिक समारोह सूर्योदय के समय ढाका हवाई अड्डे के पुराने क्षेत्र में बांग्लादेश सेना की एक तोपखाना रेजिमेंट द्वारा 31 तोपों की सलामी के साथ शुरू हुआ। यह सलामी स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि थी। बांग्लादेश सशस्त्र बलों ने विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक शानदार फ्लाईपास्ट का आयोजन किया।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस इस अवसर पर उपस्थित थे और ढाका के लोगों ने भी इसे देखा। यूनुस आज शाम राष्ट्र को संबोधित करेंगे। उनका संबोधन बांग्लादेश टेलीविजन (बीटीवी), बीटीवी न्यूज और बांग्लादेश बेतार पर एक साथ प्रसारित किया जाएगा। बांग्लादेश के समाचार पत्रों ने विशेष परिशिष्ट भी प्रकाशित किए हैं। सभी टेलीविजन चैनल विशेष कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं और विभिन्न ऑनलाइन मीडिया आउटलेट्स ने भी विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की हैं।

आईपीएल 2026 ऑक्शन में कार्तिक शर्मा बने अनकैप्ड सनसनी

(एजेन्सी)।

भारतीय प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी में मंगलवार को अनकैप्ड भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा। शर्मा आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे महंगे अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, प्रशांत वीर के साथ, जिन्हें भी सीएसके ने खरीदा है। उत्तर प्रदेश के ऑलराउंडर प्रशांत वीर ने भी सबका ध्यान खींचा, जिनके लिए लखनऊ सुपर जायंट्स, मुंबई इंडियंस, सीएसके, रॉयल रॉयल रेनॉल्ट और रॉयल रेड हैम्पशायर के बीच बोली की होड़ मची थी। पांच बार की चैंपियन सीएसके ने अंत तक बोली लगाई और उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में अपने नाम कर लिया।

उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) में उत्तर प्रदेश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है, छह पारियों में 37 से अधिक के औसत और 170 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 40* है। उन्होंने सात मैचों में लगभग 18 के औसत से नौ विकेट भी लिए। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने शर्मा के लिए 30 लाख रुपये की शुरूआती कीमत से बोली लगाई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) भी बोली में शामिल हो गए, जिससे कीमत बढ़कर 5 करोड़ रुपये हो गई।

इसके बाद सीएसके ने शर्मा के लिए बोली लगाई, जिससे उनकी कीमत बढ़ गई। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आखिरी समय में बोली लगाई, जिसके बाद पांच बार की चैंपियन सीएसके ने शर्मा को 14.20 करोड़ रुपये की आकर्षक कीमत पर खरीद लिया।

राजस्थान के उभरते विकेटकीपर-बल्लेबाज शर्मा ने 12 टी20 मैच खेले हैं और 11 पारियों में 30.36 के औसत और 162.92 के स्ट्राइक रेट से 334 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं।

'जहां से भी घुसोगे, सामने हिंदुस्तानी फौजी खड़ा पाओगे', बॉर्डर 2 का टीजर रिलीज

(एजेन्सी)।

16 दिसंबर, विजय दिवस पर, बॉर्डर 2 के मेकर्स ने फिल्म का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज किया, जिसने तुरंत दर्शकों के दिलों को छू लिया। यह तारीख 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत की याद दिलाती है और इस मौके पर टीजर रिलीज करने से फिल्म को एक गहरा मतलब मिलता है, जिससे बॉर्डर 2 भारतीय सैनिकों की हिम्मत, हौसले और बलिदान को श्रद्धांजलि बन जाती है। फैंस खुशी से झूम उठे जब सनी देओल अपनी मशहूर युद्ध की ललकार के साथ वापस आए, यह पल पहले ही टीजर का सबसे खास हाईलाइट बन गया है। एक खास सीन में सनी देओल अपने सैनिकों से इतनी जोर से चिल्लाने के लिए कहते हैं कि उनकी आवाज सरहद पार लाहौर तक सुनाई दे, जिससे देखने वालों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं और ओरिजिनल बॉर्डर की यादें ताजा हो जाती हैं। डायरेक्टर अनुराग सिंह और एक्टर वरुण धवन, जो आने वाले इस सीक्वल में भी काम कर रहे हैं, ने बताया कि यह असरदार पल लेह में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई एक असली घटना से प्रेरित था।

आरबीआई ने लोकनेते आरडी क्षीरसागर सहकारी बैंक पर प्रतिबंध लगाया

(एजेन्सी)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नासिक जिले में स्थित लोकनेते आरडी (अप्पा) क्षीरसागर सहकारी बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। बैंक में हुए कुछ घटनाक्रमों के चलते गंभीर पर्यवेक्षण संबंधी चिंताओं के कारण आरबीआई ने जमा निकासी पर रोक सहित कई पाबंदियां लगाई हैं। आरबीआई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से पांच लाख रुपये तक की जमा बीमा राशि पाने के हकदार होंगे। बैंक पर लगाए गए ये प्रतिबंध मंगलवार को कारोबार समाप्त होने के बाद से प्रभावी हो गए हैं। आरबीआई की अनुमति के बिना बैंक न तो किसी प्रकार का नया ऋण दे सकेगा, न ही पुराने ऋण का नवीनीकरण कर सकेगा। इसके अलावा बैंक किसी तरह का निवेश नहीं करेगा, कोई नई देनदारी नहीं लेगा और न ही कोई भुगतान करेगा।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्किंयोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्किंयोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्किंयोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्किंयोलॉजी कहलाता है। आर्किंयोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्किंयोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्किंयोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप आर्किंयोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्किंयोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्किंयोलॉजी, जिओ आर्किंयोलॉजी, आर्किंयोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्किंयोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्किंयोलॉजी, आर्किंयोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्किंयोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्किंयोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्किंयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्किंयोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

सांसद नवीन जिन्दल जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए हैं प्रयासरत: रविंद्र धीमान

■ संसदीय क्षेत्र में तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से दी जा रही हैं स्वास्थ्य सुविधाएं

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा शुरू किए गए स्वस्थ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा तीन मोबाइल मेडिकल यूनिटें चलाई जा रही हैं। ये यूनिटें प्रतिदिन अलग-अलग गांवों और शहरों के वार्डों में जाकर लोगों के स्वास्थ्य जांच करती हैं और उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराती हैं। यह पहल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार कारगर साबित हो रही है।

तीनों मोबाइल मेडिकल यूनिट में तैनात एमबीबीएस डॉक्टर मरीजों की जांच कर उनको मुफ्त परामर्श प्रदान करते हैं तथा आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की जाती हैं। यूनिट में आने वाले ग्रामीणों के रक्त और मूत्र के परीक्षण भी किए जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हो पाता है। इन परीक्षणों में लिपिड प्रोफाइल, मलेरिया, विडाल टेस्ट, यूरीन आरएम, सीबीसी, सीआरपी, एसजीपीटी, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, विटामिन बी-12, विटामिन डी-3 और कैल्शियम आदि की जांच शामिल रहती है।

सांसद नवीन जिन्दल के कुशल मार्गदर्शन और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप 21 जुलाई 2024 से 10 दिसंबर 2025 तक तीनों मोबाइल मेडिकल यूनिटों द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के गांवों और शहर के वार्डों में कुल 1450 शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 1,20,000 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई है और निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गई है। इनमें से 20,200 लोगों के रक्त एवं मूत्र परीक्षण किए गए, जो इस अभियान की व्यापकता और उपयोगिता को दर्शाते हैं।

कैथल कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। उनकी पहल पर कैथल जिले के 50 टीबी मरीजों को गोद लिया गया है। नवीन जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से मोबाइल मेडिकल यूनिट गांवों और वार्डों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पहुंच रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक शनिवार को जिन्दल हाउस कुरुक्षेत्र और जिन्दल हाउस कैथल में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच और दवाइयां वितरित की जाती हैं। इससे आसपास के क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिल रही है और नियमित जांच की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है।

उल्लेखनीय है कि बाऊजी ओ.पी. जिन्दल की प्रेरणा और सांसद नवीन जिन्दल के प्रयासों से नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा स्वस्थ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र अभियान न केवल रोगों के उपचार तक सीमित है, बल्कि लोगों को स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करता है। इस अभियान के तहत ग्रामीणों को खान-पान, स्वच्छता, व्यायाम और नियमित स्वास्थ्य जांच से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की जा रही हैं।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के कोऑर्डिनेटर डॉ. राज कुमार ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल के कुशल नेतृत्व में इन मोबाइल मेडिकल यूनिटों का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आज कलायत हल्का में राजौंद ब्लॉक के गांव में पहुंच कर मोबाइल मेडिकल यूनिट ने लोगों को लाभान्वित किया। आज के स्वास्थ्य शिविर में 10 लोगों के युरिन और रक्त के टेस्ट किए गए जबकि 151 लोगों को परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां दी गई। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक गांवों में नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों और क्षेत्र का हर नागरिक स्वस्थ जीवन जी सके।

जिला के सभी आवारा कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य शुरू

■ संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल से कार्य को करवाएं पूरा: सीईओ सुरेश राविश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार जिला में आवारा कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस कार्य को समुचित तरीके से करवाने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। आगामी 6 महीनों में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सभी आवारा कुत्तों को कवर किया जाएगा। आमजन की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर भी शुरू किया गया है, ताकि वह आवारा कुत्तों से संबंधित जानकारी दे सकें।

जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आवारा कुत्तों के टीकाकरण व नसबंदी कार्य को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने प्रदेश के सभी उच्चाधिकारियों से इस संदर्भ में रिपोर्ट प्राप्त की तथा इस मौके पर मुख्य सचिव ने आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सीईओ सुरेश राविश ने कहा कि सभी अधिकारी अन्य विभागों के साथ तालमेल करते हुए कुत्तों के टीकाकरण व नसबंदी कार्य को पूरा करवाएं। इस कार्य में कोई भी लापरवाही न बरती जाए। संबंधित नगर परिषद व नगर पालिकाएं शैल्टर हाउस बनाकर सीसीटीवी कैमरे आदि की पूरी व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन आदि पर पूरी निगरानी की जाए। जिला स्तर पर ज्वाइंट टास्क फोर्स व जिला निगरानी कमेटी बना दी गई है, जिसके तहत पूरी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्य में प्रगति लाते हुए रिपोर्ट को अपडेट रखें। एजैंसी द्वारा जिला के राजौंद क्षेत्र में 109 आवारा कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य किया जा चुका है।

नगर आयुक्त कपिल शर्मा ने कहा कि नगर परिषद व नगर पालिकाओं द्वारा इस आवारा कुत्तों के टीकाकरण व नसबंदी के कार्य को सुचारू रूप से करने के लिए पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र से कुत्तों का टीकाकरण व नसबंदी का कार्य कार्य पूरा किया जाएगा। पशुपालन विभाग के डॉक्टरों की टीम भी लगाई गई है। नोडल अधिकारी के रूप में कैथल के लिए ईओ संदीप सोलंकी, चीका के लिए जेई खुशी राम, कलायत हेतू जेई संजीव धीमान, पूंडरी के लिए जेई प्रदीप कुमार, राजौंद के लिए एसआई प्रदीप कुमार, सीवन के लिए सहायक सोनू रहेंगे।

जिला में नगर परिषद व नगर पालिकाओं के लिए टोल फ्री नंबर जारी किए गए हैं, जिसमें कैथल के लिए 9992681500, चीका 7206819039, कलायत 9728102416, पूंडरी 8059204744, राजौंद 8930494703, सीवन 9671591529 शामिल हैं।

इस मौके पर ईओ संदीप सोलंकी, नगर पालिका सचिव पवन शर्मा, दीपक, नरेश, नरेंद्र शर्मा, जितेंद्र शर्मा, जेई अश्वनी नेहरा, पशुपालन विभाग से कृष्ण कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता का जिलाधिकारी ने किया विधिवत उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत बिहार शिक्षा परियोजना, वैशाली द्वारा आयोजित जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी-सह-क्विज प्रतियोगिता मेला का विधिवत उद्घाटन जिला पदाधिकारी, वैशाली, वर्षा सिंह द्वारा स्थानीय जी.ए. इंटर विद्यालय के परिसर में किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, संतोष कुमार द्वारा जिला पदाधिकारी को पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया। इसके पश्चात जिला पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी तथा अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी, वर्षा सिंह ने कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और प्रश्न करने की प्रवृत्ति ही उनकी प्रतिभा के सर्वांगीण विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि किसी भी घटना के पीछे कारण जानने की इच्छा विज्ञान की मूल भावना है। सभी बच्चों को वैज्ञानिक सोच एवं अभिरुचि विकसित करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को प्रयोग करने, सोचने और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें ताकि उनमें नवाचार की भावना विकसित हो सके।

कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी ने होनहार एवं प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न विज्ञान मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स का गहन निरीक्षण किया तथा उनसे संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं पर संवाद किया। उन्होंने एक-एक मॉडल को ध्यानपूर्वक देखा और बच्चों की रचनात्मकता, प्रस्तुति और वैज्ञानिक समझ से प्रभावित होकर उनकी सराहना की।

उल्लेखनीय है कि बिहार शिक्षा परियोजना, वैशाली के तत्वावधान में आयोजित इस जिलास्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग प्रदर्शनी में जिले के प्रत्येक प्रखंड से छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र-छात्राओं द्वारा दैनिक जीवन में वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग पर आधारित मॉडल एवं प्रदर्शनियां प्रस्तुत की गई जिन्हें उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

जेल लोक अदालत आयोजित, 6 मुकदमों का निपटारा, 14 मुलजिमों को किया आवश्यक शर्तों पर रिहा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में मंगलवार को जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन के समक्ष 8 मुकदमे रखे गए। जिनमें से 6 मुकदमों का निपटारा हुआ और 14 मुलजिमों को आवश्यक शर्तों पर रिहा किया गया। इस दौरान उन्होंने मुलजिमों को नशा व चोरी न करने की शपथ भी दिलाई। सीजेएम ने जेल मे रह रहे बंदियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

इसके बाद सीजेएम ने श्रद्धानंद बाल आश्रम का दौरा कर वहां रह रहे बच्चों से बातचीत की और उन्हें प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने नारी निकेतन निरीक्षण किया और वहां रह रही महिलाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

सीजेएम इरम हसन ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशा मुक्त हरियाणा मिशन व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला करनाल के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज इंस्पेक्टर राजेश लता द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय पखाणा और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामगढ़ में जागरूकता शिविर का आयोजन कर बच्चों को नशे से दूर रहने व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। पैरा लीगल वालंटियर आज्ञा पाल ने गांव बीबीपुर जाटान में जागरूकता शिविर का आयोजन कर लोगों को नशे से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी और नशा न करने व बाल विवाह न करने की शपथ ली।

राजौंद बिजली घर सब-यूनिट में दो घंटे का रोष स्वरूप गेट मीटिंग आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद बिजलीघर में सब-यूनिट में मंगलवार, 16 दिसंबर तीसरे दिन भी रोष स्वरूप सुबह 9 बजे से 11 बजे तक दो घंटे की गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। गेट मीटिंग का मंच संचालन सब-यूनिट सचिव मुकेश कोटड़ा ने किया, अध्यक्षता सब-यूनिट प्रधान अश्विनी ढांडा ने की। गेट मीटिंग स्टेट काउंसिल के आह्वान पर आयोजित की गई। गेट मीटिंग का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को रद्द करवाना, डीसी रेट व एचकेआरएन के कर्मचारियों को जोखिम भत्ता, मेडिकल तथा एलटीसी की सुविधा दिलवाना रहा।

■ ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी रद्द करने व कर्मचारियों को मेडिकल व एलटीसी सुविधा देने की मांग

वक्ताओं ने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम वर्कर्स यूनियन, हेड ऑफिस भिवानी अपने सामूहिक मुद्दों को लेकर लगातार सब-यूनिट स्तर पर हरियाणा सरकार के विरुद्ध जोर-शोर से विरोध प्रदर्शन कर रही है। रोष स्वरूप गेट मीटिंग में सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक में राजु एएलएम, नीरज एएलएम, लाला एलएम, आदित्य एलएम, राजेंद्र एलएम, कृष्ण एलएम, प्रवीण एलएम, अनिल एसए, शमशेर एसए, विकास एसए, रीतु एएलएम, सरिता एएलएम, गुरदेव, कुलदीप सहित सब-यूनिट राजौ व यूनिट पूंडरी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कार्यक्रम के अंत में कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जायज मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता के बड़ी माँ धर्मपरायण महिला कौशल्या देवी का निधन, शोक की लहर

संजना भारती संवाददाता

मुंगेर। नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता के बड़ी माँ 70 वर्षीया कौशल्या देवी का आकस्मिक निधन हो गया। विदित हो कि नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता का मुंगेर जिले के असरगंज प्रखंड में पैतृक निवास है। जहाँ उनकी बड़ी माँ कौशल्या देवी अस्वस्थ चल रही थी। कई दिनों से दिल्ली में उनका इलाज चल रहा था। कौशल्या देवी काफी धर्मपरायण महिला थी। निधन की खबर फैलते ही पुरे क्षेत्र में शोक की लहर दौर गई। आस-पास के क्षेत्र के रिश्तेदार एवं सैकड़ों लोग अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पहुंचे। लोगों ने बताया कि कौशल्या देवी धर्मपरायण व मिलनसार प्रवृति की महिला थी। सहज व सरल व्यवहार की धनी कौशल्या देवी के प्रति सभी का आदर भाव रहा करता था। परिजनों के अनुसार रविवार को सुल्तानगंज घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। कौशल्या देवी अपने शोकाकुल पति कार्तिक प्रसाद एवं पुत्रों बिनोद गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, सुबोध गुप्ता व दो पुत्री पूनम देवी, सुनीता कुमारी का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार सुमन, राष्ट्रीय सचिव नीरज कुमार सिंह, राष्ट्रीय संगठन सचिव अभिषेक श्रीवास्तव, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक कुमार सिंह, कार्यकारी सदस्य दीनबंधु सिंह, दिल्ली के अध्यक्ष विजय वर्मा, महासचिव संजय कुमार, वेस्ट बंगाल के अध्यक्ष बिमल गुप्ता, बिहार प्रदेश संरक्षक बालदेव प्रसाद सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अबोध ठाकुर, महिला विंग की अध्यक्षा पूजा मिश्रा, वरीय उपाध्यक्ष चन्दन कुमार झा, प्रदेश महासचिव नवीन झा, हरियाणा प्रभारी धर्मेंद्र मिश्रा इत्यादि ने विनम्र श्रद्धांजलि दी है।

करनाल चीनी मिल ने 20 दिनों में की 5.80 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक अदिति ने बताया कि चालू पेराई सीजन 2025-26 के दौरान करनाल चीनी मिल ने मात्र 20 दिनों में 5.80 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई कर ली है। इस दौरान औसतन 9 प्रतिशत रिकवरी के साथ मिल द्वारा 45 हजार क्विंटल उच्च गुणवत्ता की रिफाइंड चीनी का उत्पादन किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्पादित चीनी की गुणवत्ता आईसीयूएमएसए कलर तथा क्रिस्टल साइज के मामले में केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित सभी मानकों पर खरी उतरती है। नई चीनी मिल अत्याधुनिक तकनीकी संयंत्रों से सुसज्जित है और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन कर रही है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि बॉयलर की चिमनी से निकलने वाले धुएं, राख आदि के नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर (ईएसपी) लगाया गया है, जिससे प्रदूषण मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मिल में ईटीपी प्लांट पर अत्याधुनिक जल शोधन उपकरण स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से मिल से निकलने वाले प्रदूषित पानी को पूरी तरह साफ कर सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

महिलाओं की समस्याओं के निस्तारण हेतु आज आएंगी आयोग सदस्या

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने जानकारी देते हुए बताया कि उ0प्र0 राज्य महिला आयोग द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उददेश्य एंव महिलाओं की सुगमता के दृष्टिगत महिला आयोग सदस्या अवनी सिंह की अध्यक्षता में जनपद में 17 दिसम्बर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से पी0डब्लू0डी0 गेस्ट हाउस में जन सुनवाई एवं अपरान्ह 01 बजे से ब्लॉक जगत परिसर में जागरुकता चौपाल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक विस्तृत जानकारी, योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध कराये जाने के साथ ही पात्रों का सुसंगत योजनाओं में यथासभंव पंजीकरण व उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने, कन्या सुमंगजा योजना से अच्छादित बालिकाओं को लाभदिलाये जाने, जागरुकता चौपाल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। जन सुनवाई एवं जागरुकता चौपाल को सकुशल आयोजन को सम्पन्न कराये जाने हेतु विभिन्न सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

जिले में करीब 1143 मरीजों ने उठाया निशुल्क डायलिसिस सुविधा का लाभ

एसबी संवाददाता

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा जन कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, कैथल जिले के नागरिक अस्पताल में किडनी रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस सुविधा एक वरदान साबित हो रही है। अक्टूबर 2024 से शुरू की गई इस सुविधा का लाभ अब तक 1143 मरीजों ने उठाया है, जिन्होंने कुल 11,082 डायलिसिस सत्र निःशुल्क करवाए हैं।

जिला नागरिक अस्पताल में डायलिसिस की बढ़ती मांग को देखते हुए, वर्तमान में 12 मशीनों के माध्यम से हर महीने लगभग 900 डायलिसिस सत्र तीन शिफ्टों में किए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार की यह जनहितैषी योजना प्रदेश के लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ी राहत प्रदान कर रही है।

सिविल सर्जन डॉ. रेनु चावला ने बताया कि क्रॉनिक किडनी रोग से जूझ रहे मरीजों को समय पर यह सुविधा मिलने से उनके जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार हो रहा है। उन्होंने मरीजों को प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि ऐसे मरीज सीधे अपने जिले के नागरिक अस्पताल, जहां डायलिसिस की सुविधा है, वहां पहुँच सकते हैं।

मरीज अपनी किडनी केस की मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्यूमेंट दिखाकर मुफ्त डायलिसिस की सुविधा तुरंत ले सकते हैं।

अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 तक मरीजों ने इस सुविधा का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है।

> मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार आमजन को बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। किडनी के मरीजों को डायलिसिस की सुविधा पूरी तरह से मुफ्त प्रदान करके, सरकार ने उनके परिवारों पर पड़ने वाले बड़े आर्थिक बोझ को काफी हद तक कम किया है। यह सुविधा प्रदेश के सभी निवासियों के लिए उपलब्ध है। **-अपराजिता, डीसी, कैथल।**

जगत गुरु ब्रह्मानंद जी की 118वीं जयंती के राज्य स्तरीय समारोह का नरेश पोपड़ा ने दिया निमंत्रण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। भाजपा नेता नरेश पोपड़ा पंचगामा ने असंध क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर 23 दिसंबर को कैथल जिले के गांव चूहड़ माजरा में आयोजित होने वाली जगत गुरु ब्रह्मानंद जी की 118वीं जयंती के राज्य स्तरीय समारोह का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि जगत गुरु ब्रह्मानंद जी द्वारा नारी सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण पर दिए गए संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। भाजपा सरकार भी संत-महापुरुषों के आदर्शों पर चलते हुए सर्व समाज के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

नरेश पोपड़ा ने सर्व समाज से आह्वान किया कि जयंती को उत्सव के रूप में मनाते हुए अधिक से अधिक संख्या में समारोह में पहुंचें। उन्होंने विश्वास जताया कि असंध विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री व विधायक भी उपस्थित रहेंगे।

नव.प्रा. विद्यालय द्वारिकापुर पश्चिम ने चलाया गृहवार सर्वेक्षण

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। सरकारी स्कूलों से बाहर व शिक्षा से वंचित रह रहे बच्चों को अब शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का काम शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किया गया है। इसको लेकर मंगलवार को नव.प्रा.विद्यालय द्वारिकापुर पश्चिम के द्वारा गृहवार सर्वेक्षण चलाया गया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि गृहवार सर्वेक्षण अभियान को तेज गति से किया जा रहा है।उक्त मौके पर वरीय शिक्षक सुरेश कुमार रजक मौजूद थे।